Date: 5/4/19

पाठ-1

जागरण गीत

12 लाइन कविता

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा,
अरुण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।

कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से मुड़कर सिहरते रहे तुम,
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ।

सुख नहीं यह, नींद में सपने सँजोना,
दुख नहीं यह, शीश पर गुरू भार ढोना,
शूल तुम जिसको समझते थे अभी तक,
फूल मैं उसको बनाने आ रहा हूँ।

—सोहनलाल द्विवेदी

शब्दार्थ

	शब्द	अर्थ
1.	अतल	गहरा
2.	सिहरते	घबराते, संकोच करते
3.	शृंखलाएँ	बंधन, ज़ंजीर
4.	संकीर्णताएँ	संकुचित विचार
5.	विपथ	राह से भटकना

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

6.	मंझधार	धारा के बीचोंबीच
7.	अस्ताचल	पतन, एक कल्पित पर्वत जिसके पीछे सूर्य अस्त होता है।
8.	अरुण	लालिमा से युक्त, कांतिमान
9.	उदयाचल	विकास, एक कल्पित पर्वत जहाँ से सूर्योदय होता है।
10.	शूल	काँटा

प्रश्न /उत्तर

~~संक्षेप में उत्तर लिखिए~~

~~(क) कवि किस गहरी नींद की बात कर रहे हैं?~~

लघु उत्तरीय

(क) कवि बेखबर लोगों को किस प्रकार जगाना चाहते हैं?

(क) कवि बेखबर लोगों को 'जागरण गीत' के माध्यम से जगाना चाहते हैं।

(ख) अस्ताचल और उदयाचल से कवि का क्या आशय है?

(ख) अस्ताचल से कवि का आशय उस पर्वत से है, जिसके पीछे सूर्य अस्त होता है अर्थात वे लोग जो हमेशा स्वप्नलोक में खोए रहते हैं तथा उदयाचल से आशय उस पर्वत से है जिसके पीछे से सूर्य उदय होता है अर्थात वे लोग जो यथार्थ के धरातल पर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

(ग) ~~प्र०=3~~ कवि श्रम और कार्य निष्ठा से भागनेवालों को क्या निर्देश दे रहे हैं?

(ग) कवि श्रम और कार्य निष्ठा से भागनेवालों को यह निर्देश दे रहे हैं कि वे उन्हें अपने कर्त्तव्य से विमुख न होने देंगे क्योंकि उनके जीवन की असली पूंजी, सच्चा सुख अपने कर्म को पूरी ईमानदारी से करने में है।

(घ) उन्नति और विकास के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है? सोचकर बिंदुवार बताइए।

(घ) उन्नति और विकास के लिए गुणों का होना आवश्यक है :-

(i) ईमानदारी
(ii) परिश्रम
(iii) सच्चाई
(iv) नेकदिल
(v) साहसी
(vi) आत्मविश्वासी

दीर्घ-उत्तरीय/प्रश्न

(क) 'पार मैं तुमको लगाने आ रहा हूँ।' – इस पंक्ति द्वारा कवि किस परिस्थिति में सहायक बनने का आश्वासन दे रहे हैं?

(क) 'पार मैं तुमको लगाने आ रहा हूँ।' इस पंक्ति द्वारा कवि उन परिस्थियों में जब इंसान जीवन में आने-जाने वाली परेशानियों अथवा कष्टों से घबरा जाता है और उसे कोई रास्ता नहीं सूझता ऐसे वक़्त में कवि उसके साथ खड़े रहने का आश्वासन दे रहे हैं।

(ख) प्रगति के पथ पर बढ़ने की बात कवि किन लोगों के संबंध में कह रहे हैं?

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

(ख) प्रगति के पथ पर बढ़ने की बात कवि आम जन की संबंध में कह रहे हैं, जो अपना लक्ष्य निश्चित कर चुके हैं और पूरे उत्साह तथा गति के साथ निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं।

(ग) कवि को यह कविता लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी होगी?

(ग) कवि को यह कविता लिखने की आवश्यकता इसलिए पड़ी होगी क्योंकि उसने गौर किया कि आज का युवा-वर्ग कर्म करने में नहीं बल्कि सपने देखने में ही यकीन लगता है। वे निराशा के अंधकार में डूबे हैं, समस्याओं से घबरा रहे हैं तथा मानसिक संकीर्णताओं से घिरे हुए हैं।

(घ) 'जागरण गीत' का मूल भाव / प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'जागरण गीत' कविता में कवि समाज के एक बड़े वर्ग को जो अपना लक्ष्य भूलकर गलत रास्ते पर चले गए हैं, जो अपना कर्म छोड़कर सपनों की काल्पनिक दुनिया में विचरण कर रहे हैं, जो विपरीत परिस्थितियों से घबराकर निराशा के गहरे अंधकार में डूब गए हैं तथा जिन्हें मानसिक संकीर्णताओं ने जकड़ा हुआ है, उन सभी को एक नए (की रूढ़ियों) उत्साह के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित कर रहे हैं।

(ङ) संकीर्णताओं और शृंखलाओ से आप क्या समझते हैं? इनसे कैसे मुक्त हुआ जा सकता है?

(ङ) संकीर्णताओं और शृंखलाओ से तात्पर्य उन मानसिक विकारों तथा संकुचित सोच से है, जिसने मनुष्य के विकास को अवरुद्ध कर दिया है। सकारात्मक सोच, आत्मबल, साहस, कठिन परिश्रम के माध्यम से हम इनसे मुक्त हो सकते हैं।

(च) बिंदु बनकर मैं तुम्हें ढलने न दूँगा,
सिंधु बन तुमको उठाने आ रहा हूँ।

(च) प्रस्तुत पंक्ति में कवि लोगों में जोश और उत्साह जगाते हुए और उनकी कार्यक्षमता का आइना उन्हें दिखाते हुए कहते हैं कि वे उन्हें इस दुनिया में बिना पहचान के नहीं खोने देंगे और उनके व्यक्तित्व को सागर के भाँति उठाकर उन्हें उनकी वास्तविकता से परिचित कराएँगे।

(छ) विपथ होकर मैं तुम्हें मुड़ने न दूँगा,
प्रगति के पथ पर बढ़ाने आ रहा हूँ।

(छ) प्रस्तुत पंक्ति में कवि ने आम जन को संबोधित करते हुए कहा है कि वे उन लोगों को जो प्रगति और विकास के मार्ग पर चल रहे हैं, उन्हें हतोत्साहित होकर हारने न देंगे बल्कि उनमें पुनः ऊर्जा का संचार कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ देंगे।